



दिनांक : 24 -09-2019

कक्षा : IX

पूर्णांक : 80

समय : 3 घण्टे

- निर्देश : 1 इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।
2 चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3 यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4 उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न संख्या अवश्य लिखिए।

(खण्ड- क) (अपठित बोध)

प्रश्न 1- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए।

9

इस संसार को कर्मक्षेत्र कहा गया है। सारी सृष्टि कर्मरत है। छोटे से छोटा प्राणी भी कर्म का शाश्वत संदेश दे रहा है। प्रकृति के साम्राज्य में कहीं भी अकर्मण्यता के दर्शन नहीं हो रहे हैं। सूर्य, चंद्र, पृथ्वी, ग्रह, नक्षत्रादि निरंतर गतिशील हैं। नियमानुकूल सूर्योदय होता है और सूर्यास्त तक किरणें प्रकाश बिखेरती रहती हैं। रात्रिकालीन आकाश में तारावली तथा नक्षत्रावली का सौंदर्य विह्वल उठता है। क्रमशः बढ़ती-घटती चंद्रकला के दर्शन होते हैं। इसी तरह विभिन्न ऋतुओं का चक्र अपनी धुरी पर चलता रहता है। नदियाँ अविरल गति से बहती रहती हैं। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी सबके जीवन में सक्रियता है। वस्तुतः कर्म से परे जीवन का कोई उद्देश्य नहीं है।

मनुष्य का जन्म पाकर हाथ-पैर तो हिलाने ही होंगे। हमारे प्राचीन ऋषियों ने शतायु होने की किंतु कर्म करते हुए जीने की इच्छा प्रकट की थी। इतिहास साक्षी है कि कितने ही भारतीय युवकों ने कर्मशक्ति के बल पर चंद्रगुप्त की भाँति शक्तिशाली साम्राज्यों की स्थापना की थी। आधुनिक युग में भारत जैसे विशाल जनतंत्र की स्थापना करने वाले गांधी, नेहरू और पटेल आदि कर्मपथ पर दृढ़ता के ही प्रतिरूप थे। दूसरी ओर इतिहास उन सम्राटों को रेखांकित करता है, जिनकी अकर्मण्यता के कारण महान साम्राज्य नष्ट हो गए। वेद, उपनिषद, कुरान, बाइबिल आदि सारे धर्मग्रंथ कर्मठ मनीषियों की ही उपलब्धियाँ हैं। आधुनिक ज्ञान-विज्ञान की गौरव-गरिमा उन वैज्ञानिकों की देन है जिन्होंने साधना की बलि-वेदी पर अपनी हर साँस समर्पित कर दी। विज्ञान कर्म का साक्षात् प्रतीक है। सुख-समृद्धि के शिखर पर आसीन प्रत्येक व्यक्ति अथवा जाति कर्म-शक्ति का ही परिचय देती है।

प्रश्न 1 से 5 तक के प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छँटकर लिखिए।

प्रश्न (1) कर्मक्षेत्र किसे कहा गया है ?

(क) पृथ्वी को (ख) संसार को (ग) आकाश को (घ) विद्यालय को

प्रश्न (2) वेद, उपनिषद, कुरान, बाइबिल आदि सारे धर्मग्रंथ किसकी उपलब्धियाँ हैं ?

(क) कर्मठ नेता (ख) कर्मठ गुरुओं (ग) कर्मठ मनीषियों (घ) अकर्मठ मनीषियों

प्रश्न (3) कर्म का साक्षात् प्रतीक क्या है ?

(क) इतिहास (ख) विज्ञान (ग) भूगोल (घ) गणित

प्रश्न (4) 'ता' प्रत्यय युक्त शब्द नहीं है।

(क) दृढ़ता (ख) साक्षात् (ग) अकर्मण्यता (घ) सक्रियता

प्रश्न (5) भारतीय युवकों ने कर्मशक्ति के बल पर किसकी भाँति शक्तिशाली साम्राज्य की स्थापना की थी?

(क) चंद्रगुप्त की भाँति (ख) समुद्रगुप्त की भाँति (ग) अकबर की भाँति (घ) अशोक की भाँति

प्रश्न (6) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) नदियाँ ----- गति से बहती रहती हैं।

(ख) कर्म से परे ----- का कोई उद्देश्य नहीं है।

प्रश्न (7) निम्न वाक्य सही या गलत लिखिए।

(क) सारी सृष्टि कर्मरत नहीं है।

(ख) पेड़-पौधे, पशु-पक्षी सबके जीवन में सक्रियता है।

प्रश्न 2- निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए।

6

चिड़िया को लाख समझाओ

कि पिंजड़े के बाहर

धरती बड़ी है, निर्मम है,

यहाँ हवा में उसे

अपने जिस्म की गंध तक नहीं मिलेगी।

यूँ तो बाहर समुद्र है, नदी है, झरना है

पर पानी के लिए भटकना है,

यहाँ कटोरी में भरा जल गटकना है।

बाहर दाने का टोटा है,

यहाँ चुग्गा मोटा है।

बाहर बहेलिए का डर है,

यहाँ निर्द्वंद कंठ स्वर है।

फिर भी चिड़िया मुक्ति का गाना गाएगी,

मारे जाने की आशंका से भरे होने पर भी

पिंजड़े से जितना अंग निकल सकेगा निकालेगी,

हर सू ज़ोर लगाएगी

और पिंजड़ा टूट जाने या खुल जाने पर उड़ जाएगी।

प्रश्न 1 से 4 तक के प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छँटकर लिखिए।

प्रश्न (1) पिंजड़े के अंदर चिड़िया को क्या सुविधा उपलब्ध है ?

(क) कटोरी में दूध (ख) कटोरी में पानी (ग) कटोरे में चाय (घ) कटोरी में फल

प्रश्न (2) पिंजड़े के बाहर धरती कैसी है ?

(क) सुंदर (ख) निर्मल (ग) निर्मम (घ) गोल

प्रश्न (3) पिंजड़ा टूट जाने पर चिड़िया क्या करेगी ?

(क) गाएगी (ख) उड़ जाएगी (ग) दुखी होगी (घ) डर जाएगी

प्रश्न (4) चिड़िया को पिंजड़े के बाहर किसका डर है ?

(क) बहेलिए (ख) बंदर (ग) कौआ (घ) शिकारी

प्रश्न (5) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -

चिड़िया ----- का गाना गाएगी।

प्रश्न (6) निम्न वाक्य सही या गलत लिखिए।

पिंजड़े से जितना अंग निकल सकेगा निकालेगी।

(खण्ड- ख) (व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3 वर्ण - विच्छेद कीजिए - (कोई तीन)

3

धार्मिक , क्षत्रिय , उग्र , अनभिज्ञ

प्रश्न 4 (क) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन शब्दों के उपसर्ग व मूल शब्द अलग करके लिखिए -

3

अनुभूति , दुर्गम , निर्मूल , सत्कार

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन शब्दों के मूल शब्द व प्रत्यय अलग करके लिखिए -

3

व्यक्तित्व , मुखरित , भारतीय , दासा

प्रश्न 5 (क) निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में उचित स्थानों पर अनुस्वार का प्रयोग करके शब्द पुनः लिखिए - 2

गदगी , पतजलि , सपत्ति , बैकुठ , पचायत

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में उचित स्थानों पर अनुनासिक का प्रयोग करके शब्द

2

पुनः लिखिए -

छटनी , साप , गूथना , गूगा , ऊचा

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ता का प्रयोग करके शब्द पुनः लिखिए - 2

फिदा , जिद , कानून , खुदा , फिजूल

(खण्ड - ग) (पाठ्य - पुस्तक)

प्रश्न 6 - पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) पोशाक हमारे लिए कब बंधन और अड़चन बन जाती है?

2

(ख) तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ में क्या कहा?

2

(ग) बुढ़िया को कोई उधार क्यों नहीं देता था?

1

प्रश्न 7 - 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुजरना' पंक्ति से आप क्या समझते हैं? 'तुम कब जाओगे, अतिथि' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

5

अथवा

कवियों की धारणा को लेखक ने युक्ति शून्य क्यों कहा है? 'कीचड़ का काव्य' पाठ के आधार पर लिखिए।

प्रश्न 8 - पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) हमें अपना दुख दूसरों पर क्यों नहीं प्रकट करना चाहिए? अपने मन की व्यथा दूसरों से कहने

पर उनका व्यवहार कैसा हो जाता है?

2

(ख) न्यायालय ने मुखिया के पिता को क्या दंड दिया और क्यों?

2

(ग) रैदास ने अपने प्रभु की भक्ति किस भाव से की है?

1

प्रश्न 9 - पहले छंद में कवि की दृष्टि आदमी के किन-किन रूपों का बखान करती है ? 'आदमी नामा' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

5

अथवा

देवी के मंदिर का वर्णन 'एक फूल की चाह' कविता के आधार पर कीजिए।

प्रश्न 10 i) गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार किस प्रकार किया गया ? 'गिल्लू' पाठ के आधार पर लिखिए।

3

अथवा

गिल्लू किन अर्थों में परिचारिका की भूमिका निभा रहा था ?

ii) भाई के बुलाने पर घर लौटते समय लेखक के मन में किस बात का डर था ?

2

(खण्ड-घ) (लेखन)

प्रश्न 11 - दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

5

(क) मेरे जीवन की प्रबल अभिलाषा

(i) अभिलाषा का स्वरूप

(ii) प्रबलता का कारण

(iii) उसकी पूर्ति के उपाय

(ख) स्वास्थ्य की रक्षा

(i) आवश्यकता

(ii) पोषक भोजन

(iii) लाभकारी सुझाव

(ग) अपनी काल्पनिक अंतरिक्ष यात्रा का विवरण

(i) विचार कैसे आया

(ii) यात्रा के अनुभव

(iii) यात्रा की समाप्ति

